मुख्यमंत्री ने सोनाखान में ओपन एयर म्यूजियम और बलौदाबाज़ार-भाटापारा टूरज़िम सर्कटि का शुभारंभ कयिा

चर्चा में क्यों?

20 दसिंबर, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ज़लिा बलौदाबाज़ार-भाटापारा के सोनाखान में नरि्मति भव्य ओपन एयर म्यूजयिम और बलौदाबाज़ार-भाटापारा टूरज़िम सर्कटि का शुभारंभ कयिा।

प्रमुख बदिु

- शहीद वीर नारायण सहि की जन्म एवं कर्मस्थली को उनके गौरव के अनुरूप वकिसति करने के लयि ज़लिा प्रशासन बलौदाबाज़ार-भाटापारा द्वारा सोनाखान में भव्य ओपन एयर म्यूजयिम का नरि्माण कयिा गया है।
- सोनाखान में बनाया गया यह म्यूजयिम प्रदेश में अपनी तरह का पहला म्यूजयिम होगा, जहाँ ऑडयिो-वज़िुअल सेटअप और एक वशिेष धातु कॉर्टेन स्टील के माध्यम से शहीद वीर नारायण सहि की जीवनी को प्रदर्शति कयिा जा रहा है।
- सन् 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में ब्रटिशि हुकूमत के खलिाफ मोर्चा खोलने वाले शहीद वीर नारायण सहि की गौरवगाथा को प्रदर्शति करने के लयि एक वशिेष तरह की कॉर्टेन स्टील का प्रयोग कयिा गया है। कॉर्टेन स्टील एक तरह का ऐसा मेटल है, जसिमें पहले से ज़ंग की एक परत लगी हुई होती है। खास बात यह है कि यह धातु प्रकृति को हानि नहीं पहुँचाती। कुरूपाठ पहाड़ की हरयिाली के बीच इसकी नयनाभरिाम सुंदरता देखते ही बनती है।
- कॉर्टेन स्टील के बने लंबे और सुंदर पैनल्स पर शहीद वीर नारायण सहि की जीवनी उकेरी गई है, जसिकी भव्यता दनि के साथ ही रात में भी देखी जा सकती है। लाइट के अद्भुत सेटअप इसे खास और अलग बनाते हैं।
- सभी पैनल पर एक ऑडयिो सेटअप लगा हुआ है, जसिके माध्यम से शहीद वीर नारायण सहि की जन्म से लेकर क्रांति और बलदिान की गाथा को सुना जा सकता है। यह ऑडयिो हन्दिी, अंग्रेज़ी और छत्तीसगढ़ी भाषा में उपलब्ध है। यहाँ आने वाले लोग अपनी पसंद मुताबकि ऑडयिो की भाषा तय कर सकते हैं।
- देश में कॉर्टेन स्टील का उपयोग वभिन्नि महान परयिोजनाओं में कलाकृतयिाँ बनाने के लयि कयिा जा चुका है। काशी वश्विनाथ कॉरडिोर, बहिार म्यूजयिम और कई देशों के प्रतष्ठिति प्रोजेक्ट में इसका उपयोग कयिा गया है।
- म्यूजयिम में पार्कगि और कैंटीन की भी व्यवस्था रहेगी। कैंटीन की व्यवस्था स्व-सहायता समूह के द्वारा संचालति की जाएगी। इसके साथ ही यहाँ आने वाले लोगों को म्यूजयिम में प्रवेश सशुल्क रहेगा। इस नवाचार से पर्यटन को बढ़ावा मलिेगा और लोगों को भी रोज़गार उपलब्ध होगा।
- बलौदाबाज़ार-भाटापारा टूरज़िम सर्कटि में बाबा गुरु घासीदास की जन्म एवं कर्मस्थली गरिौदपुरी, शहीद वीर नारायण सहि की जन्म एवं कर्मस्थली सोनाखान, कबीर पंथयिों की प्रसद्धि धर्मस्थली दामाखेड़ा, तुरतुरयिा, सद्धिखोल जलप्रपात, बलारडेम, सद्धिेश्वर मंदरि पलारी और नारायणपुर का शवि मंदरि शामलि हैं। इस टूरज़िम सर्कटि में आने वाले पर्यटकों को वभिन्नि सुवधिाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/open-air-museum-at-sonakhan-and-balodabazar-bhatapara-tourism-circuit